

भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

05.08.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2984 का उत्तर

महाराष्ट्र के जनजातीय और आकांक्षी जिलों में रेल संपर्क

2984. श्री भास्कर मुरलीधर भगरे:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार ने महाराष्ट्र के जनजातीय और आकांक्षी जिलों में रेल संपर्क का कोई आकलन किया है तथा यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ख) अपर्याप्त रेल संपर्क वाले चिह्नित जनजातीय एवं दूरस्थ जिलों के नाम तथा ऐसे आकलन के लिए अपनाए गए मानदंड क्या हैं;
- (ग) क्या इन जिलों के लिए किसी नई रेल लाइन, दोहरीकरण, विद्युतीकरण, आमान परिवर्तन अथवा स्टेशन विकास परियोजना को स्वीकृति प्रदान की गई है अथवा विचाराधीन है तथा यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (घ) जनजातीय एवं पिछड़े क्षेत्रों में रेल संपर्क में सुधार हेतु महाराष्ट्र से प्राप्त प्रस्तावों की वर्तमान स्थिति क्या है;
- (ङ) महाराष्ट्र के जनजातीय क्षेत्रों में चल रही रेल परियोजनाओं की जिला-वार भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की वर्तमान स्थिति क्या है; और
- (च) उक्त परियोजनाओं को पूरा करने के लिए निर्धारित समय-सीमा क्या है तथा भूमि अधिग्रहण, वित्तपोषण एवं क्रियान्वयन में होने वाली देरी को दूर करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च):

पिछले वर्षों में बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जनजातीय एवं आकांक्षी जिलों सहित महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	1,171 रु. करोड़ प्रति वर्ष
2026-27	23,926 करोड़ रुपए (20 गुना से अधिक)

रेलपथ निर्माण:

2009-14 और 2014-26 के दौरान जनजातीय एवं आकांक्षी जिलों सहित महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथों के निर्माण का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	292 कि.मी.	58.4 कि.मी. प्रति वर्ष
2014-26	2,585 कि.मी.	215.4 कि.मी. प्रति वर्ष (लगभग 4 गुना)

स्वीकृत परियोजनाएं:

दिनांक 01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, जनजातीय एवं आकांक्षी जिलों सहित महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 1,42,635 करोड़ रु. की लागत से 5,956 कि.मी. कुल लंबाई की 52 परियोजनाओं (13 नई लाइनें, 02 आमान परिवर्तन और 37 दोहरीकरण) को स्वीकृत किया गया है। सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2026 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2026 तक किया गया व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	13	1,399	266	13,065
आमान परिवर्तन	02	609	334	5,013
दोहरीकरण/बहुपथन	37	3,948	998	16,704
कुल	52	5,956	1,598	34,782

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:

जनजातीय एवं आकांक्षी जिलों सहित महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली व हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	पुणे-मिराज-लोंडा दोहरीकरण (467 कि.मी.)	6,463

2	होटगी-कुडगी-गदग दोहरीकरण (284 कि.मी.)	2,459
3	मनमाड-जलगांव तीसरी लाइन (160 कि.मी.)	1,677
4	जबलपुर-गोंदिया आमान परिवर्तन (300 कि.मी.)	2,005
5	छिंदवाड़ा-नागपुर आमान परिवर्तन (150 कि.मी.)	1,512
6	पनवेल-पेन दोहरीकरण (35 कि.मी.)	263
7	पेन-रोहा दोहरीकरण (40 कि.मी.)	330
8	उधना-जलगांव दोहरीकरण (307 कि.मी.)	2,448
9	मुदखेड़-परभणी दोहरीकरण (81 कि.मी.)	673
10	भुसावल-जलगांव तीसरी लाइन (24 कि.मी.)	325
11	जलगांव-भुसावल चौथी लाइन (24 कि.मी.)	261
12	दौंड-गुलबर्गा दोहरीकरण (225 कि.मी.)	3,182
13	दौंड-मनमाड दोहरीकरण (236 कि.मी.)	3,426

चालू परियोजनाएं:

जनजातीय एवं आकांक्षी जिलों सहित महाराष्ट्र राज्य में रेल अवसंरचना को और बेहतर बनाने के लिए, निम्नलिखित कार्य शुरू किए गए हैं:-

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रु. में)
1	अहिल्यानगर-परली वैजनाथ नई लाइन (261 कि.मी.)	5,800
2	बारामती-लोणांद नई लाइन (64 कि.मी.)	1,844
3	वर्धा-नांदेड़ नई लाइन (284 कि.मी.)	5,248
4	इंदौर-मनमाड नई लाइन (360 कि.मी.)	18,529
5	वाडसा-गढ़चिरौली नई लाइन (52 कि.मी.)	1,886
6	जालना-जलगांव नई लाइन (174 कि.मी.)	5,804
7	वर्धा-नागपुर तीसरी लाइन (76 कि.मी.)	917
8	वर्धा-बल्लारशाह तीसरी लाइन (132 कि.मी.)	1,755
9	इटारसी-नागपुर तीसरी लाइन (280 कि.मी.)	2,607
10	राजनांदगांव-नागपुर तीसरी लाइन (228 कि.मी.)	3,545
11	वर्धा-नागपुर चौथी लाइन (79 कि.मी.)	1,215
12	जलगांव-मनमाड चौथी लाइन (160 कि.मी.)	2,574
13	भुसावल-खंडवा तीसरी और चौथी लाइन (131 कि.मी.)	3,285
14	सोलापुर-तुलजापुर-उस्मानाबाद नई लाइन (84 कि.मी.)	3,296

15	पनवेल-चौक दोहरी लाइन (17 कि.मी.)	491
16	वर्धा-बल्हारशाह चौथी लाइन (135 कि.मी.)	2,226
17	इटारसी-नागपुर चौथी लाइन (297 कि.मी.)	5,010
18	वर्धा-भुसावळ तीसरी और चौथी लाइन (314 कि.मी.)	9,197
19	गोंदिया-डोंगरगढ़ चौथी लाइन (84 कि.मी.)	2,223
20	गोंदिया-बल्हारशाह दोहरीकरण (240 कि.मी.)	4,819
21	कल्याण-कसारा तीसरी लाइन (68 कि.मी.)	1,433
22	नाइगांव-जुड़चेंद्र दोहरी कॉर्ड लाइन (5 कि.मी.)	176
23	नीलजे-कोपर दोहरी कॉर्ड लाइन (5 कि.मी.)	338
24	बदलापुर-कर्जत तीसरी और चौथी लाइन (32 कि.मी.)	1,324
25	आसनगांव-कसारा चौथी लाइन (35 कि.मी.)	794
26	कसारा-मनमाड तीसरी और चौथी लाइन (131 कि.मी.)	10,154
27	गोंदिया-जबलपुर दोहरीकरण (231 कि.मी.)	5,236
28	चालीसगांव रेल ओवर रेल फ्लाईओवर (11 कि.मी.)	264
29	चिखली और सोमताने (4 कि.मी.) के बीच कॉर्ड लाइन	172
30	पुंताम्बा - साईनगर शिर्डी दोहरीकरण (17 कि.मी.)	227

इसके अलावा, पिछले तीन वर्षों अर्थात 2023-24, 2024-25, 2025-26 और मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान, जनजातीय एवं आकांक्षी जिलों सहित महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले कुल लंबाई 6,872 कि.मी. के 60 सर्वेक्षण कार्य (21 नई लाइन और 39 दोहरीकरण) स्वीकृत किए गए हैं। कुछ महत्वपूर्ण सर्वेक्षण कार्य निम्नानुसार हैं:-

क्र.सं.	सर्वेक्षण का नाम	स्थिति
1.	जालना-खामगांव नई लाइन (162 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली गई है।
2.	नाशिक-दहानु रोड नई लाइन (100 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली गई है।
3.	पुणे-अहिल्यानगर नई लाइन (134 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली गई है।
4.	पुणे-वाडी तीसरी और चौथी लाइन (393 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली गई है।

5.	नाशिक-दहानु रोड नई लाइन (100 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने हेतु अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण (एफएलएस) को स्वीकृति दी गई है।
6.	कर्जत-लोनावाला-पुणे तीसरी और चौथी लाइन (91 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने हेतु अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण (एफएलएस) को स्वीकृति दी गई है।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के पश्चात, परियोजना की स्वीकृति के लिए राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों से परामर्श तथा आवश्यक अनुमोदनों जैसे नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि के मूल्यांकन आवश्यक होता है। चूंकि परियोजना की मंजूरी सतत और गतिशील प्रक्रिया है, अतः इसकी सटीक समय-सीमा विभिन्न हितधारकों द्वारा मूल्यांकन और अनुमोदन पर निर्भर करती है।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मापदंडों/कारकों पर निर्भर करती है जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- यातायात की संभावना का अनुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता
- परियोजना द्वारा मुहैया कराई गई प्रथम और अंतिम स्थान संपर्कता
- अनुपलब्ध कड़ियों का संयोजन और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना
- संकुलित/संतृप्त लाइनों का संवर्धन
- राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जन प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगें
- रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताएँ
- सामाजिक-आर्थिक महत्व
- निधियों की समग्र उपलब्धता

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण
- वानिकी स्वीकृति
- अतिलंघनकारी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ

- क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति
- परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य अनुकूल महीनों की संख्या आदि।

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

रेल परियोजनाओं के प्रभावी और त्वरित कार्यान्वयन के लिए सरकार द्वारा किए गए विभिन्न उपायों में निम्नानुसार है:

- निधियों के आवंटन में पर्याप्त वृद्धि।
- फील्ड स्तर पर शक्तियों का प्रत्यायोजन।
- विभिन्न स्तरों पर परियोजना की प्रगति की कड़ी निगरानी।
- परियोजनाओं से संबंधित अन्य मुद्दों के समाधान के लिए भूमि अधिग्रहण, वानिकी और वन्यजीव संबंधी मंजूरी के लिए राज्य सरकारों और संबंधित प्राधिकारियों के साथ नियमित अनुवर्ती कार्रवाई।

संबंधित क्षेत्रों में रेल परियोजनाओं के लाभों में निम्नानुसार शामिल हैं:

- आवश्यक माल और कृषि उत्पादों का तीव्र परिवहन
- इस क्षेत्र की जनता के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि
- क्षेत्र का सामाजिक-आर्थिक विकास, पर्यटन उद्योग का विकास
- क्षेत्र में औद्योगिक कार्यकलापों में वृद्धि।

मुंबई उपनगरीय क्षेत्र के लिए क्षमता संवर्धन कार्य:

वर्तमान में, मुंबई क्षेत्र में प्रतिदिन लगभग 120 मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियां तथा 3200 उपनगरीय रेलगाड़ियों का परिचालन किया जाता है।

मुंबई क्षेत्र के विभिन्न स्टेशनों पर गाड़ी संहलाई क्षमता बढ़ाने के लिए, विभिन्न स्टेशनों पर निम्नलिखित कार्य पूरे किए गए/शुरू किए गए हैं/नियोजित किए गए हैं:

क्र.सं	स्थान	विवरण
1	बांद्रा टर्मिनस	3 पिट लाइनों का कार्य पूरा किया गया।
2	मुंबई सेंट्रल	24 एलएचबी सवारी डिब्बों के लिए प्लेटफॉर्मों का विस्तार
3	जोगेश्वरी	5 अतिरिक्त प्लेटफॉर्म, 2 पिट लाइनें

4	दादर	1 अतिरिक्त प्लेटफॉर्म
5	पनवेल-कलंबोली	5 प्लेटफॉर्म, 4 पिट लाइनें और 2 सिक लाइनें
6	कल्याण	6 प्लेटफॉर्म तथा 4 पिट लाइनें
7	लोकमान्य तिलक टर्मिनस	4 प्लेटफॉर्म तथा 2 पिट लाइनें
8	परेल	6 प्लेटफॉर्म, 5 पिट लाइनें, 6 स्टेबलिंग लाइनें
9	वसई-विरार क्षेत्र	वसई रोड: 6 प्लेटफॉर्म 3 पिट लाइनें तथा 5 स्टेबलिंग लाइनें नायगाँव - 30 स्टेबलिंग लाइनें विरार - 2 स्टेबलिंग लाइनें
10	दहानु क्षेत्र	दहानु: 5 स्टेबलिंग लाइनें न्यू वाणगाँव: 30 स्टेबलिंग लाइनें

उपरोक्त के अलावा, 15 डिब्बों वाली ईएमयू को समायोजित करने के लिए 34 स्टेशनों पर प्लेटफार्म विस्तार संबंधी कार्य शुरू किए गए हैं।

क्षमता बढ़ाने के लिए नई परियोजनाएं:

मुंबई उपनगरीय क्षेत्र में रेल नेटवर्क की सम्पर्कता तथा क्षमता बढ़ाने के लिए मुंबई शहरी परिवहन परियोजना (एमयूटीपी)-I जिसकी लागत 4,502 करोड़ रु. है, एमयूटीपी-II जिसकी लागत 8,087 करोड़ रु. है, एमयूटीपी-III जिसकी लागत 10,947 करोड़ रु. है और एमयूटीपी-IIIए जिसकी लागत 33,690 करोड़ रु. है, को स्वीकृति दी गई है। कार्यों की प्रगति निम्नानुसार दी गई है:

क्र.सं	परियोजना का नाम	लागत [करोड़ रु. में]	कार्य की स्थिति
1	विरार - दहानु रोड तीसरी और चौथी लाइन (64 कि.मी.)	3,578	<ul style="list-style-type: none"> संपूर्ण 39 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया। संपूर्ण 3 लाख घन मीटर भूमि संबंधी कार्य पूरा किया गया। 16 में से 13 बड़े पुलों के कार्य पूरे किए गए हैं। 68 में से 53 छोटे पुलों के कार्य पूरे किए गए।

			<ul style="list-style-type: none"> • सभी 4 निचले सड़क पुलों के कार्य पूरे किए गए। • 181 स्टेशनों/सेवा भवनों में से 60 के कार्य पूरे किए गए। • 128 कि.मी. रेलपथ बिछाने के कार्यों में से 31 कि.मी. के कार्य पूरे किए जा चुके हैं।
2	बोरीवली - विरार पांचवी और छठी लाइन (26 कि.मी.)	2,184	<ul style="list-style-type: none"> • 17 हेक्टेयर भूमि में से 16 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया गया। • पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से वन संबंधी मंजूरी प्राप्त कर ली गई है। • ज्वारीय वनों की कटाई के लिए माननीय उच्च न्यायालय से अनुमति प्राप्त कर ली गई है। • 6.7 लाख घन मीटर में से 3.3 लाख घन मीटर भूमि संबंधी कार्य पूरा किया गया। • 23 ऊपरी पैदल पुलों के विस्तार कार्यों में से 5 के कार्य पूरे किए गए। • 12 छोटे पुलों के कार्यों में से 2 पुलों के कार्य पूरे किए गए। • 3 बड़े पुलों के कार्य प्रगति पर हैं। <p>स्टेशन भवनों और अन्य मदों के कार्य प्रगति पर है।</p>
3	नाइगांव-जुचंद्र दोहरी कॉर्ड लाइन (6 कि.मी.)	176	<ul style="list-style-type: none"> • भूमि अधिग्रहण का कार्य शुरू कर दिया गया है।
4	गोरेगांव-बोरीवली (7 कि.मी.) से हार्बर	826	<ul style="list-style-type: none"> • भूमि अधिग्रहण का कार्य शुरू कर दिया गया है।

	लाइन का विस्तार		
5	मुंबई सेंट्रल-बोरीवली छठी लाइन (30 कि.मी.)	919	<ul style="list-style-type: none"> चरण-I (बोरीवली - खार रोड, 17 कि.मी.): कमीशन किया गया। चरण-II (खार रोड - मुंबई सेंट्रल): भूमि अधिग्रहण का कार्य शुरू कर दिया गया है।
6	चौथी लाइन आसनगांव-कसारा (34.97 कि.मी.)	794	<ul style="list-style-type: none"> डिज़ाइन और आरेखण का कार्य शुरू कर दिया गया है।
7	कल्याण - आसनगांव चौथी लाइन (32 कि.मी.)	1,759	<ul style="list-style-type: none"> 92 छोटे पुलों में से 8 के कार्य पूरे किए गए। 28 हेक्टेयर में से 17 हेक्टेयर का भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा किया जा चुका है। 7 बड़े पुलों में कार्य प्रगति पर है।
8	कल्याण - कसारा तीसरी लाइन (68 कि.मी.)	1,433	<ul style="list-style-type: none"> 54 हेक्टेयर में से 48 हेक्टेयर का भूमि अधिग्रहण कार्य पूरा कर लिया गया है। 9 बड़े पुलों में से 4 पुलों के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। सभी 5 स्टेशन भवनों के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। 68 कि.मी. रेलपथ बिछाने के कार्यों में से 23 कि.मी. के कार्य पूरे किए जा चुके हैं।
9	कल्याण - बदलापुर तीसरी और चौथी लाइन (14 कि.मी.)	1,510	<ul style="list-style-type: none"> 2 बड़े पुलों में से 1 पुल का कार्य पूरा किया गया। 4 ऊपरी सड़क पुलों में से 2 पुलों के कार्य पूरे किए गए। 40 छोटे पुलों में से 30 पुलों के कार्य पूरे किए

			गए हैं।
10	तीसरी और चौथी लाइन बदलापुर - कर्जत (32.46 कि.मी.)	1,324	<ul style="list-style-type: none"> डिज़ाइन और आरेखण का कार्य शुरू कर दिया गया है।
11	पनवेल - कर्जत उपनगरीय कॉरिडोर (29.6 कि.मी.)	2,782	<ul style="list-style-type: none"> सभी 3 सुरंगों (3 कि.मी.) को कार्य पूरे कर लिए गए हैं। 5 ऊपरी सड़क पुलों, 16 निचले सड़क पुलों के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। 9 बड़े पुलों, 35 छोटे पुलों के कार्य पूरे किए गए। 70 कि.मी. रेलपथ बिछाने के कार्यों में से 67 कि.मी. के कार्य पूरे किए जा चुके हैं।
12	ऐरोली - कलवा (एलिवेटेड) उपनगरीय कॉरिडोर लिंक (3.3 कि.मी.)	476	<ul style="list-style-type: none"> चरण-I (दीघा में हॉल्ट स्टेशन): कमीशन किया गया। चरण-II (ऐरोली - कलवा एलिवेटेड रेलपथ, 3.3 कि.मी.): भूमि अधिग्रहण और पुनर्स्थापना और पुनर्वास के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
13	निलजे - कोपर दोहरी कॉर्ड लाइन (5 कि.मी.)	338	<ul style="list-style-type: none"> भूमि अधिग्रहण का कार्य शुरू कर दिया गया है। 15 छोटे पुलों में से 6 पुलों के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। 1 लाख घन मीटर में से से 0.85 लाख घन मीटर में भूमि संबंधी कार्य पूरा किया गया।
14	सीएसएमटी - कुर्ला पांचवी और छठी लाइन	891	<p>चरण-I (कुर्ला - परेल, 10.1 कि.मी.):</p> <ul style="list-style-type: none"> 12 छोटे पुलों में से 1 पुल का कार्य पूरा किया गया।

	(17.5 कि.मी.)		<ul style="list-style-type: none"> • 4 स्टेशन भवनों में से 2 भवनों के कार्य पूरे किए गए। • सायन ऊपरी सड़क पुल का पुनर्निर्माण कार्य प्रगति पर है। <p>चरण-II (परेल - सीएसएमटी, 7.4 कि.मी.):</p> <ul style="list-style-type: none"> • भूमि अधिग्रहण का कार्य शुरू कर दिया गया है।
--	---------------	--	--

नई पीढ़ी की गाड़ियां:

यात्री वहन क्षमता बढ़ाने के लिए, 19,293 करोड़ रु. की लागत से मुंबई शहरी परिवहन परियोजना (एमयूटीपी)-III और IIIए के तहत दरवाजों सहित 12 कारों के 238 रैक स्वीकृत किए गए हैं। इन रैकों की प्रापण प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

बुलेट ट्रेन परियोजना:

वर्तमान में, मुंबई-अहमदाबाद उच्च गति रेल (एमएचएसआर) परियोजना (508 कि.मी.) का निष्पादन किया जा रहा है। मुंबई, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरुच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद और साबरमती में 12 स्टेशनों के निर्माण की योजना सहित यह परियोजना गुजरात, महाराष्ट्र राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली से होकर गुजर रही है।

एमएचएसआर परियोजना के लिए संपूर्ण भूमि (1389.5 हेक्टेयर) का अधिग्रहण कर लिया गया है। सभी सांविधिक स्वीकृतियाँ प्राप्त कर ली गई हैं। सभी 1651 जनोपयोगिताओं को स्थानांतरित कर दिया गया है। महाराष्ट्र राज्य में भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण यह परियोजना 2021 तक प्रभावित रही है। महाराष्ट्र में 2022 से भूमि अधिग्रहण में तेजी आई है।

अभी तक विभिन्न प्रमुख मर्दों की प्रगति निम्नानुसार है:

मर्द	प्रगति
पियर्स	452 किलोमीटर
गर्डर	356 किलोमीटर

ट्रैक बेड	209 किलोमीटर
ओएचई मास्ट	190 किलोमीटर

स्टेशनों की प्रगति नीचे दी गई है:-

क्र.सं.	स्टेशन	स्थिति
1	साबरमती	नींव संबंधी कार्य पूरा किया जा चुका है, प्लेटफॉर्म स्लैब और छत का संरचना संबंधी और फिनिशिंग के कार्य प्रगति पर हैं।
2	अहमदाबाद	संरचना संबंधी कार्य पूरा कर लिया गया है। फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिया गया है।
3	आणंद/नडियाद	
4	वडोदरा	नींव संबंधी कार्य पूरा कर लिया गया है, संरचना संबंधी और फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिया गया है।
5	भरुच	संरचनात्मक कार्य पूरा कर लिया गया है और फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिया गया है।
6	सूरत	
7	बिलीमोरा	
8	वापी	
9	बोईसर	नींव संबंधी कार्य शुरू किया गया है और अंतिम चरण में है। संरचना संबंधी कार्य शुरू हो चुके हैं।
10	विरार	
11	ठाणे	
12	बीकेसी (मुंबई)	यह एक भूमिगत स्टेशन है। नींव संबंधी कार्य लगभग पूरा किया जा चुका है और बेस स्लैब का कार्य शुरू कर दिया गया है।

नदी पुलों के कार्यों की प्रगति निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	नदी का नाम	स्थिति
1	साबरमती नदी (480 मीटर)	उप-संरचना का कार्य पूरा हो गया है, अधिसंरचना का कार्य शुरू कर दिया गया है।

2	मेशवा नदी (120 मीटर)	पुल निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।
3	वत्रक नदी (280 मीटर)	
4	मोहर (शेढ़ी) नदी (160 मीटर)	
5	माही नदी (720 मीटर)	12 में से 11 कुओं के कार्य पूरे कर लिए गए हैं, 5 स्पैन संस्थापित कर दिए गए हैं।
6	विश्वामित्री नदी (80 मीटर)	पुल निर्माण का कार्य पूरा किया जा चुका है।
7	धादर नदी (120 मीटर)	
8	नर्मदा नदी (1366 मीटर)	25 में से 21 कुओं का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है; 4 स्पैन लाँच किए गए हैं।
9	किम नदी (120 मीटर)	पुल निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।
10	तापी नदी (720 मीटर)	नींव संबंधी कार्य शुरू कर लिया गया है, 12 में से 10 कुओं का कार्य पूरा किया जा चुका है।
11	मिंडहोला नदी (240 मीटर)	
12	पूर्णा नदी (360 मीटर)	
13	अंबिका नदी (200 मीटर)	
14	वेंगनिया नदी (200 मीटर)	
15	कावेरी नदी (120 मीटर)	
16	खरेरा नदी (120 मीटर)	
17	औरंगा नदी (320 मीटर)	
18	पार नदी (320 मीटर)	
19	कोलक नदी (160 मीटर)	
20	दमन गंगा नदी (360 मीटर)	
21	डारोथा नदी (80 मीटर)	

		पुल निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है।
22	जगनी नदी (360 मीटर)	नींव संबंधी कार्य पूरा कर लिया गया है।
23	वैतरणा नदी (2320 मीटर)	12 पाइल कैप और 11 पियर (58 में से) का कार्य पूरा कर लिया गया है।
24	उल्हास नदी शाखा (120 मीटर)	नींव संबंधी कार्य शुरू करने के लिए अस्थायी पहुंच पुल (टैब) का कार्य पूरा कर लिया गया है।
25	देसाई खाड़ी नदी पुल (400 मीटर)	भू-तकनीकी जांच (जीटीआई) का कार्य पूरा किया जा चुका है और डिजाइन का कार्य शुरू कर दिया गया है।

समुद्र के नीचे सुरंग (लगभग 21 कि.मी.) का कार्य शुरू किया गया है, जिसमें से महाराष्ट्र में घनसोली और शिलफाटा के बीच 4.8 किलोमीटर सुरंग का कार्य पूरा किया जा चुका है।

सूरत-वापी रेलखंड (97 कि.मी.) पर नदी पुल निर्माण सहित सभी सिविल निर्माण कार्य पूरे किए जा चुके हैं और 87% ट्रैक बेड बिछा दिया गया है।

बहरहाल, बुलेट ट्रेन परियोजना अत्यंत जटिल और प्रौद्योगिकी प्रधान परियोजना है। सिविल संरचनाओं, रेलपथ, इलैक्ट्रिकल, सिगनल प्रणाली और दूरसंचार के सभी संबंधित कार्यों और गाड़ीसेटों की आपूर्ति के पूरा होने के बाद ही संपूर्ण परियोजना के समापन की सटीक समय-सीमा का उचित रूप से निर्धारण किया जा सकता है।

इसके अलावा, राष्ट्रीय परिवहन अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने, क्षेत्रीय संपर्कता, आर्थिक विकास, पर्यटन, निवेश और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने तथा सड़क और हवाई परिवहन से रेल में मोडल शिफ्ट को प्रोत्साहित करने हेतु सरकार ने केंद्रीय बजट 2026-27 में निम्नलिखित सात नए उच्च गति रेल (एचएसआर) कॉरिडोरों के विकास की घोषणा की है:-

- (i) मुंबई-पुणे
- (ii) पुणे-हैदराबाद

- (iii) हैदराबाद-बेंगलूरु
- (iv) हैदराबाद-चेन्नै
- (v) चेन्नै-बेंगलूरु
- (vi) दिल्ली-वाराणसी
- (vii) वाराणसी-सिलीगुड़ी

अत्यधिक पूंजी प्रधान होने के कारण, किसी भी हाई स्पीड रेल गलियारे/परियोजना को स्वीकृति देने का निर्णय कई कारकों जैसे विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का परिणाम, तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन और वित्तपोषण विकल्पों आदि जैसे संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर करता है।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर:

रेल मंत्रालय ने दो समर्पित माल यातायात कॉरिडोरों यथा लुधियाना से सोननगर तक ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (1337 कि.मी.) और जवाहरलाल नेहरू पोर्ट टर्मिनल (जेएनपीटी) से दादरी तक वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (1506 कि.मी.) का निर्माण कार्य शुरू किया है।

ईडीएफसी और डब्ल्यूडीएफसी का कार्य पूरा कर लिया गया है और इसे कमीशन कर दिया गया है। औसतन डीएफसी पर प्रतिदिन 443 से अधिक गाड़ियां परिचालित की जाती हैं। पूर्वी और पश्चिमी समर्पित माल ढुलाई कॉरिडोरों (ईडीएफसी और डब्ल्यूडीएफसी) के पूरी तरह से चालू खंडों ने सुदृढ़ परिचालन निष्पादन का प्रदर्शन किया है। माल ढुलाई की मात्रा में लगातार वृद्धि हुई है, जिसमें अधिक औसत गति, तीव्र टर्नअराउंड और विश्वसनीयता में वृद्धि हुई है। कॉरिडोर में कंटेनर, कोयला और थोक कार्गो की आवाजाही में लगातार वृद्धि हो रही हैं, जो माल ढुलाई परिवहन में क्षमता वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान कर रहे हैं।

समर्पित माल कॉरिडोरों द्वारा माल यातायात को पूर्वी समर्पित माल कॉरिडोरों और पश्चिमी समर्पित माल गलियारे की ओर डायवर्ट कर पारंपरिक नेटवर्क पर अतिरिक्त मार्ग सृजित करने में

योगदान दिया है। इसके परिणामस्वरूप, रेलवे को अपने नेटवर्क पर अतिरिक्त माल और कोचिंग सेवाओं के परिचालन में सफलता मिली है। डीएफसी ने तेजी से पारगमन समय, उच्च थ्रूपुट और डबल-स्टैक कंटेनर संचालन (विशेष रूप से पश्चिमी डीएफसी पर) को सक्षम किया है। इन सुधारों ने समग्र लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने, आपूर्ति श्रृंखला दक्षता में सुधार करने और भारतीय उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में योगदान दिया है।

केंद्रीय बजट 2026 में पूर्व में डानकुनि को पश्चिम में सूरत से जोड़ने वाले एक नए समर्पित माल कॉरिडोर की घोषणा की गई है। इस गलियारे के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने/अद्यतन करने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

रेल विद्युतीकरण

भारतीय रेल में रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण मिशन मोड में शुरू किया गया है। अब तक, बड़ी लाइन नेटवर्क का लगभग 99.6% विद्युतीकृत किया जा चुका है। शेष नेटवर्क का विद्युतीकरण कार्य शुरू कर दिया गया है। वर्ष 2014-26 के दौरान और वर्ष 2014 से पहले किए गए विद्युतीकरण कार्य का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	मार्ग कि.मी.
2014 से पहले (लगभग 60 वर्ष)	21,801
2014-26	48,072

महाराष्ट्र राज्य में संपूर्ण मौजूदा नेटवर्क को विद्युतीकृत कर दिया गया है। इसके अलावा, सभी नई लाइन/बहुपथन परियोजनाओं को विद्युतीकरण के साथ स्वीकृति प्रदान की जा रही है और उनका निर्माण किया जा रहा है।

स्टेशन पुनर्विकास

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में भारतीय रेल स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उन्हें चरणबद्ध रूप में कार्यान्वित करना शामिल है। प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मास्टर प्लान बनाने में निम्नानुसार कार्य शामिल किए गए हैं:

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार
- शहर के दोनों भागों के साथ स्टेशन का एकीकरण
- स्टेशन भवन का सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पानी के बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पुल/सबवे का प्रावधान
- लिफ्टों/एस्केलेटर्स/रैंप का प्रावधान
- प्लेटफॉर्म सतह में सुधार/प्लेटफॉर्म शेल्टर का प्रावधान
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान
- पार्किंग क्षेत्र का विकास
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- एयर कॉनकोर्स, एग्जीक्यूटिव लाउंज, मल्टीमॉडल एकीकरण, भूसुदर्शनीकरण आदि का प्रावधान।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध एवं व्यवहार्य रूप से दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान आदि तथा दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अभी तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए 1340 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से आकांक्षी जिलों में 4 स्टेशनों सहित 132 स्टेशन महाराष्ट्र में स्थित हैं।

महाराष्ट्र राज्य में आकांक्षी जिलों से अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	आकांक्षी जिले	स्टेशन का नाम
महाराष्ट्र	गडचिरोली	वडसा
	नंदुरबार	नंदुरबार
	उस्मानाबाद	धाराशिव

	वाशिम	वाशिम
--	-------	-------

महाराष्ट्र में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
महाराष्ट्र	132	अहमदनगर, अजनी (नागपुर), अक्कलकोट रोड, अकोला, आकुर्डी, अमलनेर, आमगाँव, अमरावती, अंधेरी, बडनेरा, बल्हारशाह, बांद्रा टर्मिनस, बारामती, बेलापुर, भंडारा रोड, भोकर, भुसावल, बोरीवली, भायखला, चालीसगाँव, चांदा फोर्ट, चंद्रपुर, चर्नी रोड, छत्रपति संभाजी नगर, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, चिंचपोकली, चिंचवाड, दादर (मध्य रेलवे), दादर (पश्चिम रेलवे), दहिसर, दौंड, देहु रोड, देवलाही, धामणगांव, धरणगांव, धाराशिव, धर्माबाद, धुले, दिवा, दुधनी, गंगाखेर, गोधानी, गोंदिया, ग्रांट रोड, हडपसर, हातकणंगले, हजूर साहिब नान्देड, हिमायत नगर, हिंगनघाट, हिंगोली दक्कन, इगतपुरी, जलगाँव, जालना, जेऊर, जोगेश्वरी, कल्याण जंक्शन, कामटी, कांदिवली, कंजुर मार्ग, कराड, काटोल, केडगाँव, किनवट, कोपरगाँव, कुर्दुवाडी जंक्शन, कुर्ला जंक्शन, लासलगाँव, लातूर, लोकमान्य तिलक टर्मिनस, लोनंद जंक्शन, लोनावाला, लोअर परेल, मलाड जं., मलकापुर, मनमाड जं., मानवत रोड, मरीन लाइन्स, माटुंगा, मिराज जंक्शन, मुदखेड जंक्शन, मुंबई सेंट्रल, मुंब्रा, मुर्तिजापुर, नागरसोल, नागपुर जं., नंदगाँव, नांदुरा, नंदुरबार, नरखेड जंक्शन, नासिक रोड, नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, पाचोरा जंक्शन, पालघर, पंढरपुर, पनवेल जंक्शन, परभणी जंक्शन, परेल, परली वैजनाथ, परतूर, फलटाण, प्रभादेवी, पुलगाँव जंक्शन, पुणे जंक्शन, पूर्णा जंक्शन, रावेर, रोटेंगांव, साईनगर शिर्डी, सैंडहर्स्ट रोड, सांगली, सातारा, सावदा, सेलू, सेवाग्राम, शहाड, शेगांव, शिवाजीनगर पुणे, श्री छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनस कोल्हापुर, सोलापुर, तलेगांव, ठाकुर्ली, ठाणे, टिटवाला, तुमसर रोड, उमरी, उरुली, वडाला रोड, विद्याविहार, विक्रोली, वडसा, वर्धा, वाशिम, वाठार

स्टेशन जहां कार्य पूर्ण कर लिया गया है:

महाराष्ट्र में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तेज गति से शुरू किए हैं। महाराष्ट्र में जिन स्टेशनों पर कार्य पूर्ण कर लिया गया है, उनका ब्यौरा निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
महाराष्ट्र	20	आमगांव, बारामती, भायखला, चांदा फोर्ट, चिंचपोकली, देवलाती, धुले, हिमायतनगर, केडगांव, लासलगांव, लोणंद जंक्शन, मलकापुर, माटुंगा, मुर्तिजापुर जंक्शन, नंदुरा, नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, परेल, सावदा, शहद, वडाला रोड

अन्य स्टेशनों पर भी विकास संबंधी कार्यकलाप तेज गति से शुरू किए गए हैं और कुछ स्टेशनों पर कार्यों की प्रगति निम्नानुसार है:

महाराष्ट्र राज्य में आकांक्षी जिलों के स्टेशन

- वडसा स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रतीक्षालय, बुकिंग काउंटर, शौचालय, प्लेटफॉर्म सतह का सुधार कार्य, परिचलन क्षेत्र का सुधार, पहुंच मार्ग, भूसुदर्शनीकरण, 12 मीटर चौड़ा ऊपरी पैदल पुल, प्रवेश/निकास द्वार, कलाकृति संबंधी कार्य, गाड़ी संकेतन बोर्ड और सवारी डिब्बा संकेतन बोर्ड की संस्थापना, संकेतक और हाई मास्ट लाइट के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। लिफ्टों के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
- नंदुरबार स्टेशन: नए स्टेशन भवन का निर्माण, मौजूदा स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म सतह का सुधार कार्य, नया प्लेटफॉर्म शेल्टर, नया शौचालय ब्लॉक, मौजूदा शौचालय का सुधार कार्य, नया प्रवेश/निकास द्वार, परिचलन क्षेत्र और पार्किंग का सुधार कार्य शुरू किया गया है।

- धाराशिव स्टेशन: स्टेशन भवन के सुधार, परिचलन क्षेत्र के सुधार, पार्किंग, प्लेटफॉर्म सतह और प्लेटफॉर्म शेल्टर के सुधार के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल और शौचालय ब्लॉक का कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
- वाशिम स्टेशन: स्टेशन भवन के मुख्य प्रवेश द्वार, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह का सुधार कार्य, प्रतीक्षालय, शौचालय, मुख्य प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र में सुधार, 12 मीटर चौड़ा ऊपरी पैदल पुल और लिफ्टों के सुधार के कार्य शुरू किए गए हैं।

महाराष्ट्र राज्य में अन्य स्टेशन:

- नागपुर जंक्शन स्टेशन: यात्री आरक्षण प्रणाली भवन और बुकिंग कार्यालयों के पुनर्स्थापन और मुख्य प्रवेश द्वार पर पार्किंग में सुधार का कार्य पूरा हो चुका है। नए प्रशासनिक भवन, प्रस्थान भवन और मुख्य प्रवेश द्वार पर बेसमेंट पार्किंग, प्रस्थान भवन और दूसरे प्रवेश द्वार पर एकीकृत बेसमेंट, नए एयर कॉनकोर्स, प्लेटफॉर्म सं. 8 पर प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार और नए प्लेटफॉर्म शेल्टरों का कार्य शुरू किया गया है।
- छत्रपति संभाजीनगर स्टेशन: उत्तर की ओर नए डाकघर भवन और पार्सल कार्यालय, रेल सुरक्षा बल और राजकीय रेल पुलिस के नए भवन का कार्य पूरा हो गया है। दक्षिण की ओर नए आगमन और प्रस्थान भवन, नया प्रतीक्षालय, शौचालय, एयर कॉनकोर्स, 6 मीटर चौड़ा ऊपरी पैदल पुल, थ्रू रूफ, उत्तर और दक्षिण की ओर नए भूमिगत टैंक, उत्तर और दक्षिण की ओर नया सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, नए विद्युत सब-स्टेशन भवन का कार्य शुरू किया गया है।
- सोलापुर स्टेशन: मौजूदा ऊपरी पैदल पुल के लिए नए रैंप, नए शौचालय ब्लॉक, दूसरे प्रवेश द्वार पर नए बुकिंग कार्यालय, स्टेशन भवन, शौचालय के सुधार, परिचलन क्षेत्र का सुधार, मुख्य और दूसरे प्रवेश द्वार पर पार्किंग और बाउंड्री वॉल का कार्य पूरा हो गया है। 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- तुमसर रोड स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रतीक्षालय, शौचालय, प्रवेश द्वार प्रांगण, परिचलन क्षेत्र में सुधार, पहुंच मार्ग, भूसुदर्शनीकरण, प्लेटफॉर्म सतह में सुधार, गाड़ी संकेतन बोर्ड और सवारी डिब्बा संकेतन बोर्ड की संस्थापना, संकेतक, सीसीटीवी के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। लिफ्टों के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
- गोंदिया स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रतीक्षालय, बुकिंग काउंटर, शौचालय, परिचलन क्षेत्र में सुधार, पहुंच मार्ग, गाड़ी संकेतन बोर्ड और सवारी डिब्बा संकेतन बोर्ड की संस्थापना, संकेतकों और सीसीटीवी के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल और लिफ्टों के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

इसके अलावा, भारतीय रेल पर स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण, एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्यों की परस्पर प्राथमिकता और निधि की उपलब्धता के अध्यधीन, आवश्यकतानुसार, निर्माण कार्य शुरू किए जाते हैं। स्टेशन का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण स्टेशन की कोटि/दशा/संभाले गए यातायात आदि के आधार पर किया जाता है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति के कार्य हैं, जिनमें यात्रियों और गाड़ियों की संरक्षा शामिल है और इसके लिए विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियाँ जैसे पेड़ों की कटाई, धरोहर, अग्निशमन विभाग की स्वीकृति, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृतियाँ आदि अपेक्षित होती हैं। ये स्टेशन लंबे समय से परिचालन में हैं, अतः ब्राउनफील्ड कार्य चुनौतियों जैसे जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण (जिनमें पानी/सीवेज की लाइनें, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइपलाइन, पावर/सिगनल केबल आदि शामिल हैं), अतिलघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना गाड़ियों का परिचालन, रेलपथ और उच्च वोल्टेज बिजली की लाइन के निकट किए जा रहे कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि का सामना किया जा रहा है तथा ये कारक कार्य की प्रगति व समापन समय को प्रभावित करते हैं।

सामान्यतः, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत आने वाले स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण के कार्य योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत वित्तपोषित

किए जाते हैं। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का विवरण क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है और न कि स्टेशन-वार या राज्य-वार। महाराष्ट्र राज्य चार रेलवे जोन अर्थात्, मध्य रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है। इन जोनों के लिए, वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 3,543 करोड़ रु. का आबंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (जून, 2026 तक) 1,671 करोड़ रु. का व्यय उपगत किया गया है।
